बी.ए./बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष
सत्र : 2018–19

विषय का नाम :– मानवविज्ञान
प्रश्न पत्र :– प्रथम
प्रश्न पत्र का नाम :– पुरातात्विक मानवविज्ञान

पूर्णांक :– 50
उत्तीर्णांक :– 17

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – पुरातात्विक मानवविज्ञान का अर्थ एवं क्षेत्र, पुरातात्विक मानवविज्ञान की शाखाएँ : शास्त्रीय पुरातत्वशास्त्र, ऐतिहासिक पुरातत्वशास्त्र, पुरा–ऐतिहासिक पुरातत्वशास्त्र एवं आध–ऐतिहासिक पुरातत्वशास्त्र, पुरातत्वशास्त्र के रूप में मानवविज्ञान। प्राचीन विश्व एवं नव युग पुरातत्वशास्त्रीय परंपराओं के मध्य अंतर।
सापेक्ष एवं निरपेक्ष काल निर्धारण।

इकाई 2 – भू–गर्भीय समय सारणी, महान हिमयुग
हिमयुग के स्तरीकरण एवं अन्य प्रमाण : नदी वेदिकाएँ, हिमोढ़, अतिवृद्धि अनावृद्धि, पाषाण काल उपकरण : प्रकार एवं तकनीक।

इकाई 3 – पुरापाषाणिक बर्बरता की आयु :
यूरोपीयन निम्न पुरापाषाणिक काल : पाषाण उपकरण एवं संस्कृतियाँ।
भारतीय निम्न पुरापाषाणिक काल : सोहन संस्कृति एवं मद्रासीयन संस्कृति।
यूरोपीयन मध्य पुरापाषाणिक काल : उपकरण एवं संस्कृति
भारत में फ्लैक उपकरण संकुल
यूरोपीयन उच्च पुरापाषाणीक काल : उपकरण एवं संस्कृतियाँ, यूरोपीयन पुरापाषाणिक गृह एवं गुफा कला के महत्व एंव लक्षण।

इकाई 4 – उत्तरी यूरोप में मध्यपाषाणिक संकुल।
पश्चिमी यूरोप में मध्यपाषाणिक संकुल।
भारत में मध्यपाषाणिक संस्कृति।
नवपाषाणिक क्रान्ति के मुख्य लक्षण
भारत में नवपाषाणिक संकुल

इकाई 5 – धातु युग : ताम्र, कांस्य एवं लौह युग। नगरीय क्रांति : सामान्य लक्षण

सिंधु घाटी सभ्यता : मुख्य लक्षण, शहर नियोजन, आर्थिक क्रियाविधि, उत्पत्ति एवं पतन।

बी.ए./बी. एस–सी. द्वितीय वर्ष
सत्र : 2018–19

विषय का नाम :– मानवविज्ञान
प्रश्न पत्र :– द्वितीय
प्रश्न पत्र का नाम :– भारत में जनजातीय संस्कृति

पूर्णांक :– 50
उत्तीर्णांक :– 17

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति की परिभाषा। भारतीय जनजातियों के भौगोलिक वितरण एवं उनके प्रजातीय एवं भाषायी वर्गीकरण, भारतीय जनजातियों के अध्ययन में मानवविज्ञान का योगदान।
पवित्र संकुल, सार्वभौमिकता एवं स्थानीयता, संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, प्रभु–जाति।
जनजाति एवं जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के मध्य अंतर।
छत्तीसगढ़ के विशेष रूप से कमजोर जनजाति (कमार, बिरहोर, पहाड़ी कोरवा, अबूझमाड़िया एवं बैगा)

इकाई 2 – आदिम अर्थव्यवस्था :
जनजाति अर्थव्यवस्था के स्तर : शिकार, खाद्य–संग्रहण, मतस्यमारण, स्थानांतरित एंव स्थायी कृषि।
संपत्ति की अवधारणा एवं जनजातीय समाजों में स्वामित्व।
जनजातीय लोगों की समस्याएँ : भूमि अधिग्रहण, बंधुवा मजदूरी, ऋणग्रस्तता, स्थानांतरित कृषि, सिंचाई, बेरोजगारी, कृषि मजदूरी, जंगल और जनजातीयाँ।
नव–आर्थिक मानवविज्ञान : विनिमय – उपहार, वस्तु विनिमय, व्यापार, सांस्कृतिक विनिमय एवं बाजार अर्थव्यवस्था।

इकाई 3 – सांस्कृतिक संपर्क की समस्या : शहरीकरण एवं औद्योगीकरण संबंधी समस्याएँ, क्षेत्रवाद, जनजातीय धर्म : उत्पत्ति एवं प्रकार्य, आत्मावाद, टोटमवाद,
अभिचार एवं जादू की अवधारणा एवं क्रियाकलाप, शमनवाद,सिरछेदन।

इकाई 4 – भारतीय जनजातियों के राजनैतिक संगठन : राज्य एवं राज्याविहीन समाज के मध्य अंतर। आदिम समाज में कानून

भारतीय जनजातियों में सामाजिक संगठन : मातृस्वामित्व एवं पितृस्वामित्व परिवार, वंश एवं गोत्र, जनजातीय समाजों में विवाह साथी चुनने के तरीके।

युवागृह : प्रकार, संगठन एवं प्रकार्य।

इकाई 5 – जनजातीय विकास : जनजातीय विकास का इतिहास, अनुसूचित जनजातियों के लिए संवैधानिक प्रावधान। जनजातीय समस्याएँ : पृथककरण, प्रवासन, संस्कृति संक्रमण अजनजातीयकरण।

जनजातीय विकास की नीतियाँ, योजना एवं कार्यक्रम एवं उनका क्रियान्वयन।

भारत में जनजातीय असंतोष।

जनजातीय विकास में मानवविज्ञान का योगदान।

सरकारी एवं गैर–सरकारी विकासीय कार्यक्रमों के प्रति जनजातीय लोगों की प्रतिक्रिया।

बी.ए./बी. एस–सी. द्वितीय वर्ष
सत्र : 2018–19

विषय का नाम :– मानवविज्ञान
प्रश्न पत्र :– प्रायोगिक
प्रश्न पत्र का नाम :– भौतिक संस्कृति एवं शोध उपकरण

पूर्णांक :– 50

उत्तीर्णांक :– 17

पाठ्यक्रम

उद्देश्य – इस प्रश्न–पत्र का प्रमुख उद्देश्य छात्र–छात्राओं को आदिम भौतिक संस्कृति एवं प्रोद्योगिकी से परिचय कराना है। साथ ही सामाजिक मानवविज्ञान में समान्य रूप से उपयोग होने वाली तकनीकी का भी ज्ञान करना है।

भौतिक संस्कृति –

भाग 1 – दिये गऐ भौतिक संस्कृतियों की पहचान एवं तकनिकी का वर्णन –
1. खाद्य संकलन, शिकार, मतस्य आखेट एवं कृषि उपकरणों का विवरण।
2. आग उत्पन्न करने वाली विधि एवं उपकरणों का वर्णन।
3. आवास के प्रकार का वर्णन।
4. भूमि एवं जल यातायात को साधनों का वर्णन।

भाग 2 – पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल एवं नव–पाषाण काल के उपकरणों की पहचान, चित्रण एवं विवरण।
(प्रत्येक काल के पाँच उपकरणों का विवरण देना आवश्यक है।)

भाग 3 – अनुसूची, वंशावली एवं प्रश्नावली का निर्माण।
प्रत्येक छात्र–छात्राओं को उपरोक्त उपकरण के माध्यम से 10 उत्तदाताओं से आंकड़ों की जानकारी प्राप्त करना चाहिए।
प्रत्येक छात्र–छात्राओं को प्रायोगिक कक्षा के दौरान इन समस्त भाग से संबंधित प्रायोगिक आँकड़े को प्रायोगिक फाईल में दर्ज करना आवश्यक है।